विषय - योग विज्ञानम्
(1126)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्र1 उचित विकल्प का चयन कीजिये।

1. योग वशिष्ठ ग्रन्थ में कितने प्रकरण हैं?
   अ) पाँच (ब) चार (स) छः (द) तीन

2. श्रीराम के गुरु कौन थे?
   अ) गुरु वशिष्ठ (ब) गुरु वाल्मीकी
   स) गुरु विश्वामित्र (द) कोई नहीं

3. निर्वाण प्रकरण के उत्तरार्द्ध भाग में कितने सर्ग हैं?
   अ) 200 (ब) 128 (स) 216 (द) 116

4. मुक्ति के कितने प्रकार हैं?
   अ) तीन (ब) चार (स) दो (द) पाँच

5. योग वशिष्ठ में कुल श्लोकों की संख्या है?
   अ) 27687 (ब) 2500 (स) 700 (द) 27680

6. भुशुण्ड द्वारा कथित विद्याधर कथा का वर्णन किस प्रकरण में है?
   अ) वैराग्य (ब) निर्वाण (स) उत्पत्ति (द) स्थिति

7) योग वशिष्ठ को कहा जाता है -
   अ) वेदान्त (ब) महारामायण
   स) उपनिषद् (द) गीता

8. संसार सागर से पार होने की कितने प्रकार की युक्ति बताई गई है?

अ) चार (ब) पाँच (स) छः! (द) दो

9) उत्पत्ति, स्थिति, वृद्धि और विनाश को कहा जाता
अ) शरीर के धर्म (ब) षड्भावायें
स) मोक्ष के द्वार पाल (द) इनमें से कोई नहीं

10) नर, नाग, सुर, असुर तथा गन्धर्व को कितने भागों में विभाजित किया गया है?
अ) आठ (ब) नौ (स) सात (द) चार

11) उत्पत्ति प्रकरण में कितने सर्ग है?
अ) दस (ब) नौ (स) आठ (द) बारह

12) आकाशज विप्र का वर्णन है-
अ) उत्पत्ति प्रकरण (ब) वैराग्य प्रकरण
स) स्थिति प्रकरण (द) निर्वाण प्रकरण

13) वासना के कितने प्रकार है?
अ) तीन (ब) चार (स) दो (द) पाँच

14) ब्रह्मा जी का शरीर है-
अ) आतिवाहिक (ब) आधि-भौतिक
स) आतिवाहिक आधिभौतिक (द) कोई नहीं

15) गुरु वशिष्ठ ने किन्हें ज्ञान दिया?
अ) लक्ष्मण (ब) भरत (स) श्रीराम (द) श्रीकृष्ण

16) छठें प्रकरण को कितनें भागों में विभाजित किया गया है?
अ) दो (ब) तीन (स) चार (द) कोई नहीं

17) संयम का वर्णन किस पाद में किया गया है? पातंजल-योगसूत्र-ग्रन्थ में
अ) साधन पाद (ब) विभूतिपाद
स) समाधि-पाद (द) कैवल्यपाद

18) विभूतिपाद में कितने सूत्र हैं?
अ) 51 (ब) 34 (स) 55 (द) 50

19) योगसूत्र में विभूतिपाद है:-
अ) पहला पाद (ब) तृतीयपाद
स) द्वितीय पाद (द) चतुर्थ पाद

20) धारणा का अर्थ है -
अ) इन्द्रियों पर नियन्त्रण (ब) आत्म साक्षात्कार
स) इच्छित वस्तु पर चित्त को एकाग्र करना
(द) कोई नहीं

21) पातंजल योगसूत्र के रचयिता कौन हैं?
अ) महर्षि पतंजलि (ब) वासिष्ठ मुनि
स) कपिल मुनि (द) गुरु वाल्मिकि

22) ध्येय वस्तु में चित्त का एकाग्र हो जाना कहलाता है -
अ) ध्यान (ब) धारणा (स) प्रत्याहार (द) समाधि

23) सूर्य में संयम करने से -
अ) तारों के व्यूह का ज्ञान (ब) समस्त लोकों का ज्ञान
स) दूर देश में स्थित वस्तुओं का ज्ञान (द) कोई नहीं

24) योगसूत्र के अनुसार योगांग में ध्यान का स्थान है -
अ) पाँचवा (ब) छठवाँ (स) सातवाँ (द) चौथा

25) पातंजल योगसूत्र में कितने सूत्र हैं?
अ) 194 (ब) 195 (स) 190 (द) 193

26) विभूति का अर्थ है -
अ) कैवल्य (ब) कर्म (स) सिद्धि (द) निर्वाण

27) पातंजल योगसूत्र में कितने पाद (अध्याय) हैं?
अ) एक (ब) तीन (स) दो (द) चार

28) अष्टांग योग के अन्तर्गत अन्तरंग साधन है
अ) प्रत्याहार, धारणा, ध्यान (ब) धारणा, ध्यान, समाधि
स) प्राणायाम, प्रत्याहार, ध्यान (द) धारणा, समाधि, प्राणायाम

29) धारणा का वर्णन पातंजलयोगसूत्र के किस पाद में किया गया है?
अ) समाधिपाद (ब) साधनपाद
स) कैवल्यपाद (द) विभूतिपाद

30) योगी की भूख और प्यास की निवृत्ति किस संयम के अभ्यास से होती है?
अ) कूर्मनाड़ी संयम (ब) कण्ठकूप संयम
स) नाभिचक्र पर संयम (द) चन्द्रनाड़ी पर संयम

लघुउत्तरीय प्रश्न

प्र 1 मोक्ष प्राप्ति के साधनों का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।
2) पुरुषार्थ से आप क्या समझते हैं?
3) जगत से आप क्या समझते हैं?
4) जीवन मुक्ति के लक्षण का वर्णन कीजिये।
5) साधन चतुष्टय का वर्णन कीजिये।
6) काष्ठतापसं किसे कहते हैं?
7) मौन कितने प्रकार के हैं? नाम लिखिये।
8) मोक्ष के तीनों साधनों के नाम बताते हुए संक्षिप्त में वर्णन कीजिये।
9) महर्षि वसिष्ठ ने दैव को क्या कहा है?
10) महर्षि वसिष्ठ का जीवन परिचय दीजिये।
11) योगवासिष्ठ ग्रन्थ में कितने प्रकरण हैं तथा उनके नाम लिखिये।
12) वासना के प्रकार बताते हुए उनके नाम लिखिये।

13) विरल किसके सदृश्य है?

14) कायठतापस किसके प्रकार है?

15) अभ्यास और वैराग्य द्वारा क्या प्राप्त होता है?

16) प्रत्याहार- किसका अंग है-? संक्षिप्त-वर्णन-कीजिए।

17) वैराग्य प्रकरण को संक्षिप्त में समझाइयें।

18) रूपकारों से आप क्या समझते हैं?

19) शम किसे कहते हैं?

20) साधु पुरुष का सत्संग क्यों करना चाहिए।

21) उत्पत्ति प्रकरण की विशेषताओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।

22) कल्पना त्याग किसे कहते है? समझाइये।

23) अपवर्ग को समझाइये।

24) अविद्या को नष्ट करने वाले साधन का वर्णन कीजिये।

25) संकल्प से आप क्या समझते हैं?

26) अहं बुद्धि को नष्ट करने वाला सरल उपाय कौन कौन से हैं?

27) मोक्ष के द्वार पाल कौन-कौन से हैं?

28) तुरीयावस्था की विवेचना कीजिये।

29) स्वर्ग के कितने स्तर होते हैं?

30) महारामायण को क्या कहा जाता है?

31) सत्व स्वरूप के विभिन्न नामों को लिखिये।

32) संसार की तुलना किससे की गई है?

33) उत्पत्ति, स्थिति, वृद्धि और विनाश किसके धर्म हैं?

34) प्राण को समझाइये।

35) मुनियों के कितने प्रकार हैं? नाम लिखिये।

36) विभूतिपाद में सूत्रों की कितनी संख्या है? प्रथम-दो सूत्र लिखकर वर्णन कीजिये।

37) ध्यान से आप क्या समझते हैं?
38) विभूतिपाद की विशेषताओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।
39) धर्म परिणाम को समझाइये।
40) विभूतिपाद में से किन्हीं पाँच सूत्र का वर्णन कीजिये।
41) सूर्य पर संयम करने से किस ज्ञान की प्राप्ति होती है?
42) संयम के स्वरूप का वर्णन कीजिये।
43) धारणा किसे कहते हैं?
44) ध्यान और समाधि में भेद बताइये।
45) निरोध परिणाम से आप क्या समझते हैं?
46) व्युत्थान संस्कार किसे कहते हैं?
47) "तस्य प्रशान्तवाहिता संस्कारात्" की व्याख्या कीजिये।
48) मैत्री आदि पर संयम करने पर किसकी प्राप्ति होती है?
49) विभूतिपाद में से किन्हीं पांच सूत्रों का अर्थ सहित व्याख्या कीजिये।
50) अष्टचक्र की विस्तृत व्याख्या कीजिये।
51) अष्ट सिद्धियों के नाम लिखिये।
52) किन्हीं तीन विभूतियों का वर्णन कीजिये।
53) विभूतिपाद में किसका वर्णन है?
54) विभूति का अर्थ बताइये।
55) विभूतिपाद के पचपन नम्बर के सूत्र की व्याख्या कीजिये।
56) संयम की सिद्धि का फल बताइये।
57) कण्ठकूप में संयम करने से किस सिद्धि की प्राप्ति होती है और इसका वर्णन किस सूत्र में किया गया है?

58) एकाग्रता परिणाम के लक्षण बताइये।

59) धारणा, ध्यान और समाधि का शास्त्रीय नाम क्या है और क्यों है?

60) संयम का प्रयोग सबसे पहले किस विषय में करना चाहिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1) समाधि परिणाम और एकाग्रता परिणाम के लक्षण को विस्तार से समझाइये।

2) विभूति का अर्थ बताते हुए विभूतिपाद पर एक निबंध लिखिये।

3) अष्ट सिद्धियों के नाम लिखकर प्रत्येक को विस्तार से समझाइये।

4) विभूतिपाद में से कोई दस सूत्र लिखिये।

5) महर्षि पतंजलि का जीवन परिचय लिखिये।

6) पातंजल योगसूत्र पर एक निबन्ध लिखिये।

7) समाधि का स्वरूप सूत्र सहित लिखिये।

8) संयम को विस्तार से समझाइये।

9) विभूतिपाद में से प्रथम पांच सूत्र लिखकर उनकी व्याख्या कीजिये।

10) महर्षि पतंजलि के अनुसार अन्तरंग साधन की विवेचना कीजिये।

11) समाधि परिणाम से आप क्या समझते है और यह किसकी प्रारम्भिक अवस्था है?

12) धर्म, लक्षण और अवस्था परिणाम की विस्तृत विवेचना कीजिये।

13) धर्म और धर्मी से आप क्या समझते है

14) " संस्कारसाक्षात्करणात् पूर्वजातिज्ञानम् " की विस्तृत व्याख्या कीजिये। सूत्र नं. भी बताइये।

15) पातंजल योगसूत्र के अनुसार योग का अर्थ एवं परिभाषा दीजिये।

16) विभूतिपाद के किन्हीं पाँच सिद्धियों की विस्तृत व्याख्या कीजिये।

17) भोग की विवेचना कीजिये।

18) प्रातिभ आदि सिद्धियों के स्वरूप को समझाइये।

19) विवेकज्ञान में चार विशेष लक्षण कौन कौन से होते हैं? समझाइये।

20) विभूतिपाद पर एक लेख लिखिये।

21) विभूति का अर्थ बताते हुए विभूतिपाद की विशेषताएं बताइये।

22) "विभूतियाँ समाधि प्राप्ति में साधक है या बाधक" स्पष्ट कीजिये।

23) योगसूत्र के अनुसार सिद्धियों की प्राप्ति के उपायों का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।

24) योगसूत्र की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिये।

25) ध्यान को परिभाषित करते हुए ध्यान के महत्व को समझाइये।

26) ~~स~~ध्यात्म लाभ में सिद्धि की भूमिका बतलाइये।

27) योगवशिष्ठ के अनुसार बन्धन के स्वरूप का वर्णन कीजिये।

28) संसार की तुलना स्वप्न के साथ करना क्यों उचित नहीं है? स्पष्ट करें।

29) योग वशिष्ठ ग्रन्थ के स्वरूप का वर्णन कीजिये।

30) जीवन मुक्त की परिभाषा देते हुए लक्षण बताइये।

31) ज्ञान की सात भूमिकाओं का वर्णन कीजिये।

32) मुक्ति के द्वारपाल का नाम बताते हुए उनकी विस्तृत व्याख्या कीजिये।

33) उत्पत्ति प्रकरण की विशेषताओं का वर्णन कीजिये।

34) एषणाएँ कितने प्रकार की हैं? विस्तार से वर्णन कीजिये।

35) पुरुषार्थ की विस्तृत व्याख्या कीजिये।

36) योग वशिष्ठ के अनुसार अहंकार की विवेचना कीजिये।

37) त्रिगुणात्मक प्रकृति से आप क्या समझते हैं?

38) साधन चतुष्टय का वर्णन कीजिये।

39) जगत् के स्वरूप की विस्तार से व्याख्या कीजिये।

40) आकाशज विप्र की कथा का वर्णन कीजिये।

41) स्थिति प्रकरण की विषय वस्तु पर प्रकाश डालिये।

42) वैराग्य प्रकरण की विशेषताओं का वर्णन कीजिये।

43) दृश्य पदार्थ किस प्रकार उत्पन्न होता है विवेचना कीजिये।

44) विदेह मुक्त का अर्थ बताते हुए विस्तार से व्याख्या कीजिये।

45) मोक्ष के तीनों साधनों का वर्णन कीजिये।

46) सत् और असत् वस्तु के अन्तर को विस्तार से समझाइये।

47) उत्पत्ति प्रकरण में से किन्हीं पांच श्लोकों का अर्थ लिखिये।

48) योग वशिष्ठ के अनुसार अविद्या का वर्णन कीजिये।

49) निर्वाण प्रकरण पर निबन्ध लिखिये।

50) मुमुक्षु व्यवहार प्रकरण की विषय वस्तु को समझाइये।

51) वैराग्य से आप क्या समझते हैं?

52) मन के स्वरूप की व्याख्या कीजिये।

53) योग वशिष्ठ ग्रन्थ का उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डालिये।

54) निर्वाण प्रकरण में वर्णित आधि और व्याधि की व्याख्या कीजिये।

55) स्वर्ग के कितने स्तर हैं? व्याख्या कीजिये।

56) "परमात्मा ही मन और समस्त जगत का मूल तत्व है" इस कथन को स्पष्ट कीजिये।

57) वासनाओं के क्षय का उपाय और उसके अभ्यास का वर्णन कीजिये।

58) कर्म और कर्मफल का वर्णन कीजिये।

59) मुक्त होने वाली बारह प्रकार से भिन्न जीवों जातियों का वर्णन कीजिये

60) निर्वाण प्रकरण में वर्णित मुख्य ~~वर्णित वर्णित~~ तत्वों पर प्रकाश डालिये।